MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

M.A (HINDI) I – SEMESTER EXAMINATION DECEMBER, 2018

Paper Code : MAHN101CCT

Subject : ADHUNIK HINDI KAVYA

TIME: 3 HOURS | TOTAL MARKS: 70

सूचनाएँ:-

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित हैं। भाग - I, भाग - II, और भाग - III. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर, निर्धारित शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

भाग - I

I. **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए।** 10 X 1 = 10 **अंक**

i) 'नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अधखुला अंग' यह पंक्ति .... कविता से ली गई हैA

ii) कामायनी में इड़ा ------- का प्रतीक हैA

iii) 'राम की शक्ति पूजा' में शक्ति की पूजा में ------- कमल रखे गये थेA

iv) जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के .... काव्यधारा के कवि हैंA

v) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म वर्ष .... हैA

vi) 'सरोज स्मृति' .... की रचना हैA

vii) निराला की प्रथम कविता .... हैA

viii) उर्मिला का विरह वर्णन 'साकेत' के .... सर्ग में हैA

ix) 'साकेत' में कुल .... सर्ग हैंA

x) 'उर्वशी' काव्य में प्रमुख पुरुष पात्र .... हैA

भाग - II

II. निम्न लिखित आठ प्रश्नों में से किन्ही <u>पाँच</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना अनिवार्य है। 5 X 6 = 30 **अंक**

2) मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय दीजिए।

3) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

4) कामायनी के ‘श्रद्धा’ सर्ग का परिचय दीजिए।

5) रामधारी सिंह दिनकर की रचनाओं का परिचय दीजिए।

6) ‘दशरथ विलाप’ के fdUgh दो दोहों dh मूल O;k[;k dhft,।

7) जयशंकर प्रसाद dh रचनाओं का परिचय दीजिए।

8) “चिंता” सर्ग की मूल संवेदना क्या हैं।

9) भारतेंदु हरिशचंद्र का जीवन परिचय nhft,A

भाग - III

III. निम्न लिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों मे देना अनिवार्य है। 3 X 10 = 30 **अंक**

निम्न लिखित i|k”kks dh संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

10. “रवि हुआ अस्त : ज्योति के पत्र पर लिखा अमर
रह गया राम-रावण का अपराजेय समर
आज का तीक्ष्ण-शर-विधृत-क्षिप्र-कर वेग-प्रखर,
शतशेलसम्वरशील, नील नभ गर्ज्जित-स्वर”

11. “पहेली सा जीवन है व्यस्त, उसे सुलझाने का अभिमान।
बताता है विस्मृति का मार्ग, चल रहा हूँ बनकर अनजान॥
भूलता ही जाता दिन-रात, सजल अभिलाषा कलित अतीत।
बढ़ रहा तिमिर गर्भ में नित्य, दीन जीवन का यह संगीत॥”

12. “ साकेत ” के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

13. “ उर्वशी “ काव्य में चित्रित मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

14. “ राम की शक्ति पूजा ” काव्य dk कथ्य एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

@@@@@